

**2301001201030531**  
**EXAMINATION MARCH-APRIL 2024**  
**BACHELOR OF ARTS (NCF-NEP) & (NON-NEP)**  
**(FIRST SEMESTER)**  
**MINOR - I : HINDI - I ( HINDI KAVYA - ' SANJIVANI ' -**  
**SOHANLAL DRIVEDI ) - LEVEL 3**

[Time: As Per Schedule]

[Max. Marks: 50]

**Instructions:**

**1. Fill up strictly the following details on your answer book**

**a. Name of the Examination : BACHELOR OF ARTS (NCF-NEP) & (NON-NEP) (FIRST SEMESTER)**

**b. Name of the Subject : MINOR - I : HINDI - I ( HINDI KAVYA - ' SANJIVANI ' - SOHANLAL DRIVEDI ) - LEVEL 3**

**c. Subject Code No : 2301001201030531**

2. Sketch neat and labelled diagram wherever necessary.

3. Figures to the right indicate full marks of the question.

4. All questions are compulsory.

Seat No:

--	--	--	--	--	--

Student's Signature

**Q.1 निम्नलिखित में से किन्हीं दस बहुवैकल्पिक प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ।**

**10**

1. 'संजीवनी' खंडकाव्य की कथा का आधार कौन-सा है?
  - a. आंचलिक
  - b. काल्पनिक
  - c. पौराणिक
  - d. राजनैतिक
2. 'स्वर्ग' नामक प्रथम सर्ग में किस लोक का सुंदर वर्णन किया गया है?
  - a. पृथ्वीलोक
  - b. स्वर्गलोक
  - c. पाताललोक
  - d. परलोक
3. देव-दानवों के संघर्ष में किसकी पराजय हो रही थी ?
  - a. दानवों की
  - b. मानवों की
  - c. देवताओं की
  - d. राजाओं की



**Q.2 किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए ।**

**10**

1. स्वर्ग की शोभा किस कारण बढ़ जाती है?
2. कच को देखकर शुक्राचार्य ने क्या कहा?
3. गुरु शुक्राचार्य की दृष्टि में दानव स्वभाव से कैसे थे?
4. 'संजीवनी' खंडकाव्य के पात्रों के नाम लिखिए?
5. कवि किसको मन की कल्पना मात्र मानते हैं? क्यों?
6. दानवों में कब संशय पैदा हुआ?
7. कच को किस - किस ने क्या - क्या दिया?
8. देव और दानव की ओर से कौन-कौन थे?

**Q.3 कवि सोहनलाल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।**

**10**

**अथवा**

'संजीवनी' खंडकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

**10**

**Q.4 देवयानी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।**

**10**

**अथवा**

खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'संजीवनी' काव्य को परखिए ।

**10**

**Q.5 अ) टिप्पणी लिखिए:**

**5**

(1) 'संजीवनी' में रस - योजना ।

**अथवा**

(2) 'संजीवनी' शीर्षक की सार्थकता ।

- (1) "यह स्वर्ग लोक, अपवर्ग लोक, यह दिवालोक आलोक लोक, है जहां नहीं दुख-व्यथा, शोक, आनंद मग्न जीवन निहाल ।"

**अथवा**

- (2) "आपको ज्ञात नहीं गुरुदेव, मुझे कर भस्म बनाकर क्षार, बनाया दनुजों ने मधुपान, जिसे पी गए योग - अवतार ।"

\*\*\*\*\*